नव भारत

शुभ दीपावली

लक्ष्मी पूजन का मुहूर्त

उज्जैन। ज्योतिषाचार्य पण्डित जय शिव शर्मा के अनुसार इस वर्ष 20 अक्टूबर सोमवार को दीपावली महा पर्व मनाया जाएगा । महालक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त मुख्य प्रदोष काल सायं 5. 54 से 8. 20 बजे तक स्थिर लग्न वृषभ 7.32, से 9. 31, तक सिंह लग्न ततपश्चात रात्रि 1. 55, से 4.7 बजे तक रहेगा ।

चौघड़िया अनुसार

सोमवार, प्रात: 6 से 7.30 तक अमृत 9 से 10. 30 तक शुभ, दिन में
1. 30 से 3 बजे तक चल, 3 से 4. 30 तक लाभ,
4 . 30 से 6 तक अमृत, अत: शुभ बेला में अपनी अपनी परम्परा अनुसार दीपावली पर्व मनाएं।

शुभकामनाएं

अमावस्या के अंधेरे पर दीपक की लौ के उजास के पर्व 'दीपावली' की नवभारत के सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों, शुभचिन्तकों को हार्दिक शुभकामनाएं.

संपादक

अवकाश

दीपों के पर्व 'दीपावली' पर 20 अक्टूबर को नवभारत कार्यालय में अवकाश रहेगा. अत: अगला अंक 22 अक्टूबर को प्रकाशित होगा.

महाप्रबंधक

दिव्य हुई श्रीराम की अयोध्या

56 घाटों पर एक साथ जलाए 26 लाख दीये

29 लाख दीयों से बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

अयोध्या, 19 अक्टूबर. राम की नगरी अयोध्या एक बार फिर इतिहास रचते हुए दीपों की रोशनी से जगमगा उठी. दीपोत्सव के मौके पर 29 लाख दीयों से सजी यह रात, न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक अविस्मरणीय दृश्य बन गई.

दीपों की दिव्यता, राम की आस्था व विश्व रिकॉर्ड की चमक अयोध्या का दीपोत्सव हर नजर में बस गया. 29 लाख दीयों से सजी राम की नगरी ने एक बार फिर दुनिया को बताया कि आस्था जब परंपरा से मिलती है, तो इतिहास बनता है. नौवीं बार दीपोत्सव का आयोजन किया,

जिसमें अयोध्या ने दो विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए. पहला रिकॉर्ड राम की पैड़ी के 56 घाटों पर एक साथ जलाए गए 26.11 लाख दीयों का था, जिसे ड्रोन कैमरों से गिनकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड टीम ने आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया.

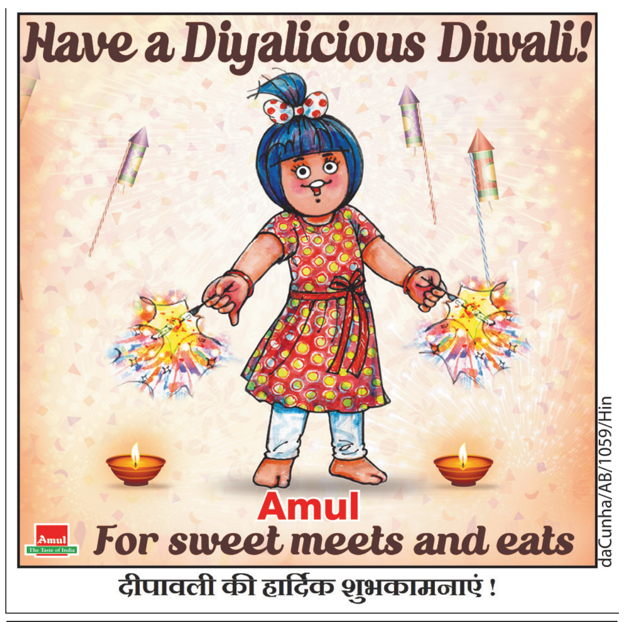

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं !

पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत

दोहा, 19 अक्टूबर. कतर की राजधानी दोहा में आयोजित वार्ता में पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हो गये हैं.

कतर के विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि कतर और तुर्की की मध्यस्थता में हुयी इस वार्ता के नतीजे अच्छे रहे और दोनों पक्ष स्थायी शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के मकसद से एक प्रणाली बनाने पर राजी हो गये. बयान में आगे कहा गया है कि दोनों पक्ष आने वाले दिनों में संघर्षविराम के प्रावधानों को भरोसेमंद तरीके से क्रियान्वित करने के लिए बैठकें करने पर भी राजी हो गये. इससे दोनों देशों में सुरक्षा और स्थिरता का माहौल कायम होगा. कतर के विदेश मंत्रालय ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि यह कदम पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच सरहद पर तनाव को कम करने और इलाके में अमन की मज़बूत बुनियाद रखने में मददगार साबित होगा.

भारत विश्व को दिखाएगा नया मार्ग

भागवत ने कहा- मैकाले प्रणाली ने भारतीय बुद्धि को विदेशी बना दिया

मुंबई 19 अक्टूबर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारतीयों को देश की अपनी ज्ञान परंपरा तक पहुँचने और उसके महत्व को समझने के लिए मैकाले ज्ञान प्रणाली के विदेशी प्रभाव से खुद को मुक्त करना होगा।

मुंबई में आर्य युग खंड के विमोचन के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने तर्क दिया कि चूंकि सभी भारतीयों को मैकाले ज्ञान

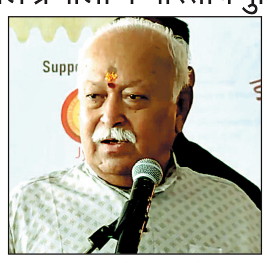

प्रणाली (एमकेएस) के तहत शिक्षा मिली है, इसलिए हमारे मन और बुद्धि विदेशी बन गए हैं। भागवत ने कहा, हमें भारतीय व्यवस्था में शिक्षा नहीं मिली। हमें मैकाले ज्ञान प्रणाली (एमकेएस) में शिक्षित किया गया। इसी के अनुसार हमारी उत्पत्ति, नींव और ज्ञान की खोज के लिए हमारी बुद्धि का निर्माण हुआ। वे कहते हैं कि हम उपनिवेश थे। हम भारतीय हैं, लेकिन हमारे मन और बुद्धि विदेशी हो गए। हमें उस विदेशी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त होना चाहिए। तभी हम अपनी ज्ञान परंपरा तक पहुँच पाएंगे, उसके महत्व को समझ पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस बीच यदि शेष दुनिया ने कुछ प्रगति की है.

सेना प्रमुख ने जवानों में भरा जोश

नयी दिल्ली 19 अक्टूबर. सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण भूभागों में आम लोगों के साथ सेनाओं के तालमेल को बेहतर बनाने, सैन्य अभियानों की स्थिति का आकलन करने और सैनिकों को प्रेरित करने के लिए रविवार को मध्य क्षेत्र की अग्रिम चौकियों का दौरा किया।

सेना प्रमुख ने पिथौरागढ़ के अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों और आस-पास की अग्रिम चौकियों पर तैनात संरचनाओं की समीक्षा की। उन्होंने उन्नत निगरानी प्रणालियों, विशेषज्ञ गतिशीलता प्लेटफार्मों, अगली पीढ़ी की तकनीकों के एकीकरण, टोही संपत्तियों के अनुकूलन और संबद्ध सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय सहित क्षमता बढाये जाने पर जानकारी हासिल की। उन्होंने चुनौतीपूर्ण भूभागों में पेशेवर कौशल , अनुशासन, सामरिक चपलता और नए उपकरणों के अभिनव उपयोग की सराहना की।